प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0,
विशाल कॉम्पलैक्स,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0 / CH/IYCF / 18–14 / 2018–19 / 4124-75 दिनांक 20/07/2018

विषयः–"विश्व स्तनपान सप्ताह" (1–7 अगस्त 2018) मनाये जाने के सम्बंध में।

महोदय / महोदया,

अवगत कराना है कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी माह अगस्त का प्रथम सप्ताह **"विश्व स्तनपान सप्ताह"** के रुप में मनाया जाना है। यह सर्वविदित है कि शिशु के लिए स्तनपान सर्वोत्तम आहार तथा शिशु का मौलिक अधिकार है। माँ का दूध शिशु के व्यापक विकास, मानसिक विकास, शिशु को डायरिया, निमोनिया एवं कुपोषण से बचाने और स्वास्थ के लिए आवश्यक है अतः शिशु को प्रथम छः माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाये तत्पश्चात मां के दूध के साथ घर पर बना पूरक पोषक आहार की शुरूआत की जाये। माँ का दूध कम–से–कम दो वर्ष तक जारी रखा जाना आवश्यक है। विभिन्न शोधों से यह स्पष्ट हो चुका है कि स्तनपान से न केवल शिशुओं और मांताओं को बल्कि समाज और देश को भी कई प्रकार के लाभ होते है।

बच्चों के सर्वांगीण मानसिक एवं शारीरिक विकास हेतु स्तनपान अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसका शिशु एवं बाल जीवितता पर अहम प्रभाव पड़ता है। यह साक्ष्य आधारित है कि जन्म के 1 घण्टे के भीतर नवजात शिशु को स्तनपान प्रारंभ कराने से 20 प्रतिशत शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है तथा 6 माह की आयु तक शिशु को केवल स्तनपान कराने पर बाल्यावस्था के रोग जैसे दस्त रोग एवं निमोनिया के खतरे में क्रमशः 11 प्रतिशत एवं 15 प्रतिशत कमी लाई जा सकती है। वर्ष 2015 में लैन्सेट की रिपोर्ट से यह ज्ञात होता है कि अधिक समय तक स्तनपान करने वाले बच्चों की बुद्वि उन बच्चों की अपेक्षा 3 प्वाईट अधिक होती है जिन्हे मां का दूध थोड़े समय के लिये प्राप्त होता है। स्तनपान स्तन कैंसर से होने वाली मृत्यु को भी कम करता है।

स्तनपान की महत्ता तथा शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी हेतु उसके प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक है कि :–

- जन्म के 1 घण्टे के भीतर नवजात को स्तनपान प्रारंभ कराया जाये।
- 6 माह तक केवल स्तनपान कराया जाये।
- शिशु के 6 माह पूरे होने पर संपूरक आहार देना प्रारंभ किया जाये एवं शिशु के 2 वर्ष पूरे होने तक स्तनपान जारी रखा जाये।

अतः स्तनपान कराने में माताओं का सहयोग एवं स्तनपान को बढ़ावा दिया जाना एक अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधि है। जन्म के दो साल तक केवल स्तनपान, दो साल तक आहार के साथ–साथ सतत् स्तनपान कराने से शिशु को विकास अच्छा होता है तथा पोषक तत्व प्राप्त होते है। इससे कुपोषण की रोकथाम में भी मदद मिलती है।

भारत सरकार ने वर्ष 2016 में स्तपनान व उपरी आहार को बढ़ावा देने के लिये "माँ" कार्यक्रम की शुरूआत की है। "माँ का अभिप्राय" माँ का असीम स्नेह" MAA "Mother's Absolute Affection" है। माँ कार्यक्रम का नारा है "स्तनपान विकल्प नहीं, संकल्प है।"

प्रदेश में 1 घन्टे के अन्दर स्तनपान की दर अभी भी मात्र 25.2 प्रतिशत (NFHS-4) जो कि काफी कम है। छः माह तक केवल स्तनपान की दर 41.6 प्रतिशत अन्य प्रदेशों के तुलना में काफी कम है।

वर्ष 2018 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पोषण अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत भी स्तनपान व उपरी आहार को अत्यन्त महत्वपूर्ण गतिविधियों के रूप में चिन्हित किया गया है। माँ कार्यक्रम (MAA "Mother's Absolute Affection") को आधार मानते हुये इस वर्ष भी अन्य वर्षो की भाँति हम सभी को व्यक्तिगत रूप से इस सप्ताह में अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। जनपद के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित कर "विश्व स्तनपान सप्ताह" को सफल बनाने का कष्ट करें।

इस वर्ष 2018 का स्तनपान सप्ताह का थीम निम्नवत है :–

"स्तनपान – जीवन की नींव"
"Breastfeeding- Foundation of Life!"

01– इस वर्ष की थीम को आधार के उद्देश्य निम्नवत हैं–

- जानकारी देना– समुदाय व अन्य प्रभावशाली लोगों में स्तनपान की महत्ता की जानकारी बढ़ाना व स्तनपान का पोषण, खाद्य सुरक्षा तथा गरीबी के बीच सम्बन्ध के बारे में अवगत कराना।
- स्तनपान को बृद्धि व विकास का मजबूत स्तम्भ बनाना तथा स्तनपान व्यवहार को मां व शिशु के मध्य आत्मीयता के स्रोत के रूप में प्रोत्साहित करना।
- स्तनपान व्यवहार के प्रोत्साहन के प्रयास में विभिन्न साझेदारो, स्वैच्छिक संस्थाओं व समुदाय को जोड़ना।
- विभिन्न स्तरों पर स्तनपान संबंधी व्यवहारों के प्रोत्साहन हेतु सतत प्रयास किया जाना।

इसी रणनीति के अंतर्गत, स्तनपान को विशेष रुप से बढ़ावा देने के लिये ''विश्व स्तनपान सप्ताह'' विगत वर्ष की तरह दिनांक 1–7 अगस्त 2018 के मध्य मनाया जा रहा है। स्तनपान कराने वाली धात्री माँ को प्रत्येक स्तर पर पूर्ण सहयोग प्रदान करके ही हम स्वस्थ शिशु की कल्पना कर सकते हैं। अतः आवश्यक है कि परिवार, समुदाय एवं कार्य स्थल सभी स्थानों पर माँ को पूरा सहयोग दिया जाये तथा उसे 06 माह तक केवल स्तनपान कराने हेतु प्रेरित किया जाये।

समाज में स्तनपान को बढावा देने के लिए विभिन्न सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं का सहयोग लिया जाये। जनपद स्तर पर जनपद में कार्य कर रही विभन्न स्वैच्छिक संस्थाओं का सहयोग लेकर स्तनपान को हर स्तर पर बढावा देने के प्रयास किये जायें।

02– सफल स्तनपान के जरूरी नियम –

- प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से मॉ और समुदाय के साथ संपर्क में रहे, जिससे गर्भवती महिलाओं और जन्म के समय से दो साल तक के बच्चों को नियमित रूप से सहयोग मिलता रहे।
- चिकित्सालय/ स्वास्थ्य केन्द्र में होने वाले प्रसव में चिकित्सक, स्टॉफ नर्स, एल.एच.वी और ए.एन.एम. सभी को स्तनपान के लिए परामर्श दें तथा जहां आवश्यकता हो वहां माँ की सहायता भी करें। ध्यान रखें कि किसी भी अवस्था में व्यवसायिक शिशु आहार कों बढ़ावा ना दें।

इसके साथ घर–परिवार में जाकर आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को धात्री माँ एवं शिशु को स्तनपान कराने में सहायता करें। ऑगनबाडी केन्द्र पर या ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर सत्र के दौरान भी मांताओं को जानकारी दे सकती है और सही प्रकार से स्तनपान कराना सिखा सकती हैं। प्रत्येक माताओं से समुदाय में बच्चों की देखभाल करने वालों के लिए घर जाकर व अलग–अलग कौषलता पूर्ण सलाह देने को सर्वोतम माना गया है।

03– माँ कार्यक्रम अंतर्गत सम्पादित की जाने वाली गतिविधियां

- सामुदायिक जागरूकता –

स्तनपान संबंधी गतिविधियों के प्रचार–प्रसार हेतु मिड–मीडिया, मास मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय, राज्य, जिला एवं उप जिला स्तर पर प्रसार गतिविधियां की जायेंगी। राष्ट्र एवं राज्य स्तरीय गतिविधियॉ मुख्यतः मिड मीडिया एवं मास मीडिया के माध्यम से होंगी जबकि उप जिला स्तर पर समुदाय आधारित गतिविधियां मुख्यतः की जायेगी।

- समुदाय आधारित गतिविधियां –

फील्ड स्तरीय स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आशा, ए0एन0एम0 तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का स्तनपान पर क्षमता वर्धन तथा आशा के माध्यम से मातृत्व सहयोगी समूहों में स्तनपान संबंधी संवाद के द्वारा शिशु एवं बाल पोषण आहार सम्बन्धी व्यवहारों को सुदृढ़ किया जायेगा। ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस/स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर कुशल ए0एन0एम0 द्वारा स्तनपान में सहयोग दिया जायेगा एवं गर्भवती एवं धात्री माताओं के साथ स्तनपान विषयक अंतरव्यैक्तिक संवाद किया जाये।

- स्वास्थ्य केन्द्रों में स्तनपान का सुदृढीकरण –

स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं जैसे ए0एन0एम0/स्टाफ नर्सों/चिकित्सकों को स्तनपान में सहयोग हेतु पुनः प्रशिक्षण दिया जायेगा। समस्त प्रसव हेतु क्रियाशील केन्द्रों पर पी0एन0सी0 वार्ड में मांताओं तथा घर के अन्य सदस्यों को नियमित रूप स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित किया जाये।

- निगरानी तथा पुरस्कार/सम्मान –

सफल स्तनपान का निष्पादन करने वाले एवं स्तनपान नीति को स्थापित करने वाले चिन्हित स्वास्थ्य केन्द्रों का राज्य स्तरीय टीमों द्वारा मूल्यांकन के आधार पर माँ कार्यक्रम में अन्तर्गत पुरस्कृत किया जायेगा।

- जनपद स्तरीय बैठक–

जनपद स्तरीय समस्त चिकित्सा इकाइयों, आई0ए0पी0/आई0एम0ए0, स्वयं सहायता समूहों, प्राइवेट अस्पतालों तथा स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोगियों के साथ मिलकर एक बैठक का आयोजन किया जाये। बैठक के दौरान माँ कार्यक्रम के बारें में जानकारी, स्तनपान सम्बन्धी लघु फिल्में, रेडियो जिंगल चलाये जायें। आपको विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान स्तनपान एवं छः माह के उपरान्त ऊपरी आहार को बढावा देने के लिए एक प्रस्तुतीकरण भेजा जायेगा। यह प्रस्तुतीकरण इस वर्ष की थीम, व आई0एम0एस0 ऐक्ट के बारे में बतायेगा।

- **ब्लॉक / चिकित्सा इकाइयों के स्तर पर की जाने वाली गतिविधियां–**
    - सभी सरकारी अस्पतालों में प्रसव के तुरंत बाद, एक घंटे के अन्दर स्तनपान को आरंभ करने में अस्पताल का स्टॉफ माँ की सहायता करें। एक घंटे के अन्दर स्तनपान की शुरूआत करने के लिये आवश्यक है कि स्टॉफ लेबर रूम के अन्दर ही मां को सहयोग दें।
    - जनपद में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के मेडिकल आफिसर, नर्सिंग स्टाफ को अपनी–अपनी चिकित्सा ईकाइयों को बेबी फ्रेन्डली बनाने के दस नियम से परिचित करायें तथा अपने स्तर से एक इकाई को पुरस्कृत भी करें। यह गतिविधि माँ कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित की जायेगी।
    - ऊपर के दूध एवं बोतल के प्रयोग से होने वाली हानि तथा इसको रोकने के लिए लाये गये इनफैन्ट मिल्क सब्स्टीट्यूट (आई0एम0एस0) एक्ट के सम्बंध में अधिक से अधिक लोगों विशेषतः प्राइवेट अस्पताल के चिकित्सकों / कर्मियों को जानकारी दी जाये।
    - जिन जनपदों में पोषण पुनर्वास केन्द्र संचालित हैं, उन केन्द्रों पर तैनात चिकित्सक, न्यूट्रिशनिस्ट, स्टाफ नर्स प्रसवोत्तर वार्ड में प्रतिदिन जाकर 1 घंटे के लिये स्तनपान के लाभ तथा कुपोषण से बचाव एवं रोकथाम के लिये छः माह तक केवल मां का दूध तथा छः माह के उपरान्त सुपाच्य एवं पौष्टिक आहार देने की सलाह दें। पोषण पुनर्वास केन्द्र पर मिलने वाली सुविधाओं के विषय में जानकारी दें।
- **समुदाय स्तरीय गतिविधियां**
    - इस वर्ष 1–7 अगस्त 2018 के मध्य सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़े (27 जुलाई–09 अगस्त 2018) का भी आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान समस्त आशायें कुपोषण व दस्त नियंत्रण हेतु घर–घर जायेगी, संदेश देंगी तथा सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन करेंगी। सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़े के दौरान सभी ब्लॉकों पर आशा कार्यकत्रियों की बैठक के दौरान उन्हें कुपोषण व दस्त नियंत्रण में माँ के दूध की विशिष्टता के बारे में भी अवगत कराया जाये। यह बैठकें माँ कार्यक्रम के अन्तर्गत भी करायी जा सकती है।
    - समस्त स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी प्रति दिन कम से कम 1–2 ग्राम सभा में आंगनबाड़ी एवं आशाओं के साथ मिल कर गोष्ठी आयोजित कर समुदाय में स्तनपान को बढावा देने के लिये व्यापक प्रचार प्रसार करें। यह गतिविधि भी माँ कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित की जा रही है।
    - आई0सी0डी0एस0 विभाग से समन्वय कर माह अगस्त 2018 के दौरान 5 (बचपन दिवस) व 15 तारीख (ममता दिवस) पर ऑगनबाड़ी केन्द्र पर आयोजित बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करें। इस दौरान पोषाहार का प्रयोग करते हुये पौष्टिक आहार बनाने पर भी बल दिया जाये।

04– स्तनपान सप्ताह में चर्चा के मुख्य बिन्दु

1. माँ के दूध में शिशु की आवश्यकतानुसार पानी होता है। छः माह तक ऊपर से पानी से पानी देने की कोई आवश्कता नही है।
2. धात्री मांताओं को प्रसव के बाद सफल स्तनपान के सम्बन्ध में बताया जाये तथा यदि किसी कारणवश बच्चे को माँ से दूर रहना पडे तो भी स्तनपान की निरन्तरता बनाये रखने के बारे में बताया जायें।
3. स्तनपान बच्चों को बुद्धिमान बनाता है इसकी चर्चा की जाये कि मां के पास जितना नवजात रहेगा नवजात में उतनी भावनात्मक वृद्धि होती है, सुरक्षा का आभास रहता है, तथा मां के दूध से कुपोषण का शिकार नही हो पाता है बच्चा स्वस्थ्य एवं बुद्धिमान होता है।
4. नवजात शिशु को केवल मां का ही दूध दिया जाये, ऊपर से कुछ भी न दिया जाये जब तक कि चिकित्सक द्वारा न बताया गया हो।
5. नवजात शिशु की मांग के अनुसार स्तनपान कराया जाय यानि जिती बार शिशु चाहे उसे उतनी बार स्मनपान करायें।
6. बच्चे को चुसनी, निप्पल अथवा सूदर (चबाने के लिये मुलायम खिलौने) आदि न दिये जायें।

- जुलाई –अगस्त के दौरान यदि किसी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा / आपातकाल की स्थिति है तो स्वयं सेवी संगठन को चिन्हित करते हुये उन्हे इस व्यवहार का प्रचार–प्रसार करने के लिये तैयार रहने के लिये समुदाय को प्रेरित किया जाये। जो स्थान बाढ़ ग्रस्त हैं वहां विशेषकर आशाओं के माध्यम से नवजात शिशुओं को स्तनपान कराये जाने पर ज़ोर दिया जाता रहे।

05– सुलभ संदर्भ हेतु निम्न लिखित स्लोगन नीचे दिये जा रहे हैं–

1) माँ का दूध है जीवनदायी, नन्हा इससे स्वस्थ्य रहेगा।
   शिशु के जीवन का रक्षक, यही हमारा लक्ष्य रहेगा।।
2) स्तनपान सदा सर्वोत्तम, बच्चों के जीवन का रक्षक।
   जीत तभी होगी स्वास्थ्य की इसे बढ़ावा देगें जबतक।।
3) स्तनपान बड़ा सुखदायी, नैनिहाल का यह मीत।
   इसे बढ़ावा देना ही है, जीवन के लक्ष्यों की जीत।।

06– उपर्युक्त के दृष्टिगत निम्न लिखित संचार माध्यम का अधिक से अधिक उपयोग किया जाये।

- सेहत संदेश वाहिनी
- आकाशवाणी
- दूरदर्शन
- प्रेस कॉन्फ्रेन्स
- अन्तर्वैयक्तिक संचार (Inter-Personal Communication)

उपर्युक्त के क्रम में आपको निर्देशित किया जाता है कि विश्व स्तनपान सप्ताह के मध्य समाज में जागरुकता लाने के लिए उपरोक्त गतिविधियों का आयोजन कराना सुनिश्चित करें।

07– वित्त पोषण –

वर्ष 2018–19 के लिये "विश्व स्तनपान सप्ताह 01–07 अगस्त 2018" दौरान जनपदीय एवं ब्लाक स्तरीय वर्कशाप एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों हेतु FMR Code-B.10.3.2.1 पर **रू0 30,000/– प्रति** जनपद की दर से एवं जनपद में आई0ई0सी0 एवं मास मीडिया गतिविधियों हेतु **रू0 10,000/– प्रति** जनपद की दर से धनराशि समस्त जनपदों की जिला स्वास्थ्य समितियों को जिला कार्ययोजना (डैप) के अनुसार आंवटित जा रही है।

Breastfeeding Week (01-07 August 2018)									
S. N.	**District**	District & Block level workshop @Rs. 30000	Mass Media Worksho @Rs. 10000	**Total funds Released to DHS**	**S. N.**	**District**	District & Block level workshop @Rs. 30000	Mass Media Workshop @Rs. 10000	**Total funds Released to DHS**
		FMR Code- 11.5.4					FMR Code- 11.5.4		
1	Agra	30000	10000	**40000**	38	Jalaun	30000	10000	**40000**
2	Aligarh	30000	10000	**40000**	39	Jaunpur	30000	10000	**40000**
3	Allahabad	30000	10000	**40000**	40	Jhansi	30000	10000	**40000**
4	Ambedkar Nagar	30000	10000	**40000**	41	Kannauj	30000	10000	**40000**
5	Amethi	30000	10000	**40000**	42	Kanpur Dehat	30000	10000	**40000**
6	Amroha	30000	10000	**40000**	43	Kanpur Nagar	30000	10000	**40000**
7	Auraiya	30000	10000	**40000**	44	Kasganj	30000	10000	**40000**
8	Azamgarh	30000	10000	**40000**	45	Kaushambi	30000	10000	**40000**
9	Baghpat	30000	10000	**40000**	46	Kushi Nagar	30000	10000	**40000**
10	Bahraich	30000	10000	**40000**	47	Lakhimpur Kheri	30000	10000	**40000**
11	Ballia	30000	10000	**40000**	48	Lalitpur	30000	10000	**40000**
12	Balrampur	30000	10000	**40000**	49	Lucknow	30000	10000	**40000**
13	Banda	30000	10000	**40000**	50	Maharajganj	30000	10000	**40000**
14	Barabanki	30000	10000	**40000**	51	Mahoba	30000	10000	**40000**
15	Bareilly	30000	10000	**40000**	52	Mainpuri	30000	10000	**40000**
16	Basti	30000	10000	**40000**	53	Mathura	30000	10000	**40000**
17	Bijnor	30000	10000	**40000**	54	Mau	30000	10000	**40000**
18	Budaun	30000	10000	**40000**	55	Meerut	30000	10000	**40000**
19	Bulandshahar	30000	10000	**40000**	56	Mirzapur	30000	10000	**40000**
20	Chandauli	30000	10000	**40000**	57	Moradabad	30000	10000	**40000**
21	Chitrakoot	30000	10000	**40000**	58	Muzaffar Nagar	30000	10000	**40000**
22	Deoria	30000	10000	**40000**	59	Pilibhit	30000	10000	**40000**
23	Etah	30000	10000	**40000**	60	Pratapgarh	30000	10000	**40000**
24	Etawah	30000	10000	**40000**	61	Raebareli	30000	10000	**40000**
25	Faizabad	30000	10000	**40000**	62	Rampur	30000	10000	**40000**
26	Farukkhabad	30000	10000	**40000**	63	Saharanpur	30000	10000	**40000**
27	Fatehpur	30000	10000	**40000**	64	Sambhal	30000	10000	**40000**
28	Firozabad	30000	10000	**40000**	65	Sant Kabir Nagar	30000	10000	**40000**
29	G.B. Nagar	30000	10000	**40000**	66	Sant Ravidas Nagar	30000	10000	**40000**
30	Ghaziabad	30000	10000	**40000**	67	Shahjahanpur	30000	10000	**40000**
31	Ghazipur	30000	10000	**40000**	68	Shamali	30000	10000	**40000**
32	Gonda	30000	10000	**40000**	69	Shravasti	30000	10000	**40000**
33	Gorakhpur	30000	10000	**40000**	70	Siddharth Nagar	30000	10000	**40000**
34	Hamirpur	30000	10000	**40000**	71	Sitapur	30000	10000	**40000**
35	Hapur	30000	10000	**40000**	72	Sonbhadra	30000	10000	**40000**
36	Hardoi	30000	10000	**40000**	73	Sultanpur	30000	10000	**40000**
37	Hathras	30000	10000	**40000**	74	Unnao	30000	10000	**40000**
					75	Varanasi	30000	10000	**40000**

आंवटित की जा रही धनराशि का व्यय वित्तीय नियमों का पालन करते हुये नियमानुसार किया जाये।

08– अनुश्रवण एवं मूल्यांकन –

मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अपने कार्यक्रम के अनुसार जनपदों में आयोजित विशेष बैठकों में भ्रमण कर मार्गदर्शन दें तथा बैठकों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित आशाओं की बैठकों में इस सप्ताह एव माह के दौरान आशाओं को प्रशिक्षित करें तथा कार्यक्रम में गति लाने के प्रयास करें। कार्यक्रम के एक सप्ताह के उपरान्त अपनी रिपोर्ट संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश के ई–मेल jdrchup@gmail.com एवं महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के ई–मेल gmchildhealthnrhm@gmail.com पर साफ्ट एवं स्कैन कॉपी मुख्य चिकित्सा अधिकारी / नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर सहित उपलब्ध करायें।

आपको निर्देशित किया जाता है कि विश्व स्तनपान सप्ताह **01–07 अगस्त 2018** मानये जाने हेतु वर्ष 2018–19 में जिला कार्ययोजना (डैप) के अनुसार आंवटित की जा रही धनराशि के सापेक्ष नियमानुसार व्यय विवरण जिला लेखा प्रबन्धक के माध्यम से वित्त अनुभाग राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0, को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– उपरोक्तानुसार

भवदीय,

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0 / CH/IYCF / 18–14 / 2017–18 / दिनांक / 07 / 2018

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन।
2. प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास, उत्तर प्रदेश शासन।
3. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
4. महानिदेशक, परिवार कल्याण, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
5. महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा, जवाहर भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
6. महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन, इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
7. निदेशक, आई0सी0डी0एस0, इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
8. अधिशासी निदेशक, उ0प्र0 तकनीकी सहयोग इकाई (UP-TSU) लखनऊ उ0प्र0।
9. समस्त ज़िलाधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, उत्तर प्रदेश।
10. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश ।
11. विभागाध्यक्ष, बालरोग विभाग, किगंजार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, **लखनऊ** / जे0एन0 मेडिकल कॉलेज **अलीगढ़** / एम0एल0एन0 मेडिकल कॉलेज **इलाहाबाद** / एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज **मेरठ** / एस0एन0, मेडिकल कॉलेज **आगरा** / जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कॉलेज **कानपुर** / बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज **गोरखपुर** / आर0 एल0बी0, मेडिकल कॉलेज **झॉसी** एवं उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, **सैफई, इटावा।**
12. संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0, परिवार कल्याण महानिदेशालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
13. समस्त प्रमुख / मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला / संयुक्त चिकित्सालय उत्तर प्रदेश।
14. समस्त मण्डलीय एवं जनपदीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
15. न्यूट्रीशन स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ, बी–3 / 258, विशाल खन्ड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
16. राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक, न्यूट्रीशन इंटरनेशनल (एन0आई0), सेव दा चिल्ड्रेन, लखनऊ, उ0प्र0।

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0,
विशाल कॉम्पलैक्स,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0 / CH/IYCF / 18–14 / 2018–19 / दिनांक 20/07/2018

विषयः–"विश्व स्तनपान सप्ताह" (1–7 अगस्त 2018) मनाये जाने के सम्बंध में।

महोदय / महोदया,

अवगत कराना है कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी माह अगस्त का प्रथम सप्ताह **"विश्व स्तनपान सप्ताह"** के रुप में मनाया जाना है। यह सर्वविदित है कि शिशु के लिए स्तनपान सर्वोत्तम आहार तथा शिशु का मौलिक अधिकार है। माँ का दूध शिशु के व्यापक विकास, मानसिक विकास, शिशु को डायरिया, निमोनिया एवं कुपोषण से बचाने और स्वास्थ के लिए आवश्यक है अतः शिशु को प्रथम छः माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाये तत्पश्चात मां के दूध के साथ घर पर बना पूरक पोषक आहार की शुरूआत की जाये। माँ का दूध कम–से–कम दो वर्ष तक जारी रखा जाना आवश्यक है। विभिन्न शोधों से यह स्पष्ट हो चुका है कि स्तनपान से न केवल शिशुओं और मांताओं को बल्कि समाज और देश को भी कई प्रकार के लाभ होते है।

बच्चों के सर्वांगीण मानसिक एवं शारीरिक विकास हेतु स्तनपान अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसका शिशु एवं बाल जीवितता पर अहम प्रभाव पड़ता है। यह साक्ष्य आधारित है कि जन्म के 1 घण्टे के भीतर नवजात शिशु को स्तनपान प्रारंभ कराने से 20 प्रतिशत शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है तथा 6 माह की आयु तक शिशु को केवल स्तनपान कराने पर बाल्यावस्था के रोग जैसे दस्त रोग एवं निमोनिया के खतरे में क्रमशः 11 प्रतिशत एवं 15 प्रतिशत कमी लाई जा सकती है। वर्ष 2015 में लैन्सेट की रिपोर्ट से यह ज्ञात होता है कि अधिक समय तक स्तनपान करने वाले बच्चों की बुद्वि उन बच्चों की अपेक्षा 3 प्वाईट अधिक होती है जिन्हे मां का दूध थोड़े समय के लिये प्राप्त होता है। स्तनपान स्तन कैंसर से होने वाली मृत्यु को भी कम करता है।

स्तनपान की महत्ता तथा शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी हेतु उसके प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक है कि :–

- जन्म के 1 घण्टे के भीतर नवजात को स्तनपान प्रारंभ कराया जाये।
- 6 माह तक केवल स्तनपान कराया जाये।
- शिशु के 6 माह पूरे होने पर संपूरक आहार देना प्रारंभ किया जाये एवं शिशु के 2 वर्ष पूरे होने तक स्तनपान जारी रखा जाये।

अतः स्तनपान कराने में माताओं का सहयोग एवं स्तनपान को बढ़ावा दिया जाना एक अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधि है। जन्म के दो साल तक केवल स्तनपान, दो साल तक आहार के साथ–साथ सतत् स्तनपान कराने से शिशु को विकास अच्छा होता है तथा पोषक तत्व प्राप्त होते है। इससे कुपोषण की रोकथाम में भी मदद मिलती है।

भारत सरकार ने वर्ष 2016 में स्तपनान व उपरी आहार को बढ़ावा देने के लिये "माँ" कार्यक्रम की शुरूआत की है। "माँ का अभिप्राय" माँ का असीम स्नेह" MAA "Mother's Absolute Affection" है। माँ कार्यक्रम का नारा है "स्तनपान विकल्प नहीं, संकल्प है।"

प्रदेश में 1 घन्टे के अन्दर स्तनपान की दर अभी भी मात्र 25.2 प्रतिशत (NFHS-4) जो कि काफी कम है। छः माह तक केवल स्तनपान की दर 41.6 प्रतिशत अन्य प्रदेशों के तुलना में काफी कम है।

वर्ष 2018 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पोषण अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत भी स्तनपान व उपरी आहार को अत्यन्त महत्वपूर्ण गतिविधियों के रूप में चिन्हित किया गया है। माँ कार्यक्रम (MAA "Mother's Absolute Affection") को आधार मानते हुये इस वर्ष भी अन्य वर्षों की भाँति हम सभी को व्यक्तिगत रूप से इस सप्ताह में अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। जनपद के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित कर "विश्व स्तनपान सप्ताह" को सफल बनाने का कष्ट करें।

इस वर्ष 2018 का स्तनपान सप्ताह का थीम निम्नवत है :–

"स्तनपान – जीवन की नींव"
"Breastfeeding- Foundation of Life!"

01– इस वर्ष की थीम को आधार के उद्देश्य निम्नवत हैं–

- जानकारी देना– समुदाय व अन्य प्रभावशाली लोगों में स्तनपान की महत्ता की जानकारी बढ़ाना व स्तनपान का पोषण, खाद्य सुरक्षा तथा गरीबी के बीच सम्बन्ध के बारे में अवगत कराना।
- स्तनपान को बृद्वि व विकास का मजबूत स्तम्भ बनाना तथा स्तनपान व्यवहार को मां व शिशु के मध्य आत्मीयता के स्रोत के रूप में प्रोत्साहित करना।
- स्तनपान व्यवहार के प्रोत्साहन के प्रयास में विभिन्न साझेदारो, स्वैच्छिक संस्थाओं व समुदाय को जोड़ना।
- विभिन्न स्तरों पर स्तनपान संबंधी व्यवहारों के प्रोत्साहन हेतु सत्त प्रयास किया जाना।

इसी रणनीति के अंतर्गत, स्तनपान को विशेष रुप से बढ़ावा देने के लिये ''विश्व स्तनपान सप्ताह'' विगत वर्ष की तरह दिनांक 1–7 अगस्त 2018 के मध्य मनाया जा रहा है। स्तनपान कराने वाली धात्री माँ को प्रत्येक स्तर पर पूर्ण सहयोग प्रदान करके ही हम स्वस्थ शिशु की कल्पना कर सकते हैं। अतः आवश्यक है कि परिवार, समुदाय एवं कार्य स्थल सभी स्थानों पर माँ को पूरा सहयोग दिया जाये तथा उसे 06 माह तक केवल स्तनपान कराने हेतु प्रेरित किया जाये।

समाज में स्तनपान को बढावा देने के लिए विभिन्न सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं का सहयोग लिया जाये। जनपद स्तर पर जनपद में कार्य कर रही विभन्न स्वैच्छिक संस्थाओं का सहयोग लेकर स्तनपान को हर स्तर पर बढावा देने के प्रयास किये जायें।

02– सफल स्तनपान के जरूरी नियम –

- प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से मॉ और समुदाय के साथ संपर्क में रहे, जिससे गर्भवती महिलाओं और जन्म के समय से दो साल तक के बच्चों को नियमित रूप से सहयोग मिलता रहे।
- चिकित्सालय/ स्वास्थ्य केन्द्र में होने वाले प्रसव में चिकित्सक, स्टॉफ नर्स, एल.एच.वी और ए.एन.एम. सभी को स्तनपान के लिए परामर्श दें तथा जहां आवश्यकता हो वहां माँ की सहायता भी करें। ध्यान रखें कि किसी भी अवस्था में व्यवसायिक शिशु आहार कों बढ़ावा ना दें।

इसके साथ घर–परिवार में जाकर आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को धात्री माँ एवं शिशु को स्तनपान कराने में सहायता करें। ऑगनबाडी केन्द्र पर या ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर सत्र के दौरान भी मांताओं को जानकारी दे सकती है और सही प्रकार से स्तनपान कराना सिखा सकती हैं। प्रत्येक माताओं से समुदाय में बच्चों की देखभाल करने वालों के लिए घर जाकर व अलग–अलग कौषलता पूर्ण सलाह देने को सर्वोतम माना गया है।

03– माँ कार्यक्रम अंतर्गत सम्पादित की जाने वाली गतिविधियां

- सामुदायिक जागरूकता –

स्तनपान संबंधी गतिविधियों के प्रचार–प्रसार हेतु मिड–मीडिया, मास मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय, राज्य, जिला एवं उप जिला स्तर पर प्रसार गतिविधियां की जायेंगी। राष्ट्र एवं राज्य स्तरीय गतिविधियॉ मुख्यतः मिड मीडिया एवं मास मीडिया के माध्यम से होंगी जबकि उप जिला स्तर पर समुदाय आधारित गतिविधियां मुख्यतः की जायेगी।

- समुदाय आधारित गतिविधियां –

फील्ड स्तरीय स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आशा, ए0एन0एम0 तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का स्तनपान पर क्षमता वर्धन तथा आशा के माध्यम से मातृत्व सहयोगी समूहों में स्तनपान संबंधी संवाद के द्वारा शिशु एवं बाल पोषण आहार सम्बन्धी व्यवहारों को सुदृढ़ किया जायेगा। ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस/स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर कुशल ए0एन0एम0 द्वारा स्तनपान में सहयोग दिया जायेगा एवं गर्भवती एवं धात्री माताओं के साथ स्तनपान विषयक अंतरव्यैक्तिक संवाद किया जाये।

- स्वास्थ्य केन्द्रों में स्तनपान का सुदृढ़ीकरण –

स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं जैसे ए0एन0एम0/स्टाफ नर्सों/चिकित्सकों को स्तनपान में सहयोग हेतु पुनः प्रशिक्षण दिया जायेगा। समस्त प्रसव हेतु क्रियाशील केन्द्रों पर पी0एन0सी0 वार्ड में मांताओं तथा घर के अन्य सदस्यों को नियमित रूप स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित किया जाये।

- निगरानी तथा पुरस्कार/सम्मान –

सफल स्तनपान का निष्पादन करने वाले एवं स्तनपान नीति को स्थापित करने वाले चिन्हित स्वास्थ्य केन्द्रों का राज्य स्तरीय टीमों द्वारा मूल्यांकन के आधार पर माँ कार्यक्रम में अन्तर्गत पुरस्कृत किया जायेगा।

- जनपद स्तरीय बैठक–

जनपद स्तरीय समस्त चिकित्सा इकाइयों, आई0ए0पी0/आई0एम0ए0, स्वयं सहायता समूहों, प्राइवेट अस्पतालों तथा स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोगियों के साथ मिलकर एक बैठक का आयोजन किया जाये। बैठक के दौरान माँ कार्यक्रम के बारें में जानकारी, स्तनपान सम्बन्धी लघु फिल्में, रेडियो जिंगल चलाये जायें। आपको विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान स्तनपान एवं छः माह के उपरान्त ऊपरी आहार को बढावा देने के लिए एक प्रस्तुतीकरण भेजा जायेगा। यह प्रस्तुतीकरण इस वर्ष की थीम, व आई0एम0एस0 ऐक्ट के बारे में बतायेगा।

- **ब्लॉक/चिकित्सा इकाइयों के स्तर पर की जाने वाली गतिविधियां–**
  - सभी सरकारी अस्पतालों में प्रसव के तुरंत बाद, एक घंटे के अन्दर स्तनपान को आरंभ करने में अस्पताल का स्टॉफ माँ की सहायता करें। एक घंटे के अन्दर स्तनपान की शुरूआत करने के लिये आवश्यक है कि स्टॉफ लेबर रूम के अन्दर ही मां को सहयोग दें।
  - जनपद में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के मेडिकल आफिसर, नर्सिंग स्टाफ को अपनी–अपनी चिकित्सा ईकाइयों को बेबी फ्रेन्डली बनाने के दस नियम से परिचित करायें तथा अपने स्तर से एक इकाई को पुरस्कृत भी करें। यह गतिविधि माँ कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित की जायेगी।
  - ऊपर के दूध एवं बोतल के प्रयोग से होने वाली हानि तथा इसको रोकने के लिए लाये गये इनफैन्ट मिल्क सब्स्टीट्यूट (आई0एम0एस0) एक्ट के सम्बंध में अधिक से अधिक लोगों विशेषतः प्राइवेट अस्पताल के चिकित्सकों/कर्मियों को जानकारी दी जाये।
  - जिन जनपदों में पोषण पुनर्वास केन्द्र संचालित हैं, उन केन्द्रों पर तैनात चिकित्सक, न्यूट्रिशनिस्ट, स्टाफ नर्स प्रसवोत्तर वार्ड में प्रतिदिन जाकर 1 घंटे के लिये स्तनपान के लाभ तथा कुपोषण से बचाव एवं रोकथाम के लिये छः माह तक केवल मां का दूध तथा छः माह के उपरान्त सुपाच्य एवं पौष्टिक आहार देने की सलाह दें। पोषण पुनर्वास केन्द्र पर मिलने वाली सुविधाओं के विषय में जानकारी दें।
- **समुदाय स्तरीय गतिविधियां**
  - इस वर्ष 1–7 अगस्त 2018 के मध्य सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़े (27 जुलाई–09 अगस्त 2018) का भी आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान समस्त आशायें कुपोषण व दस्त नियंत्रण हेतु घर–घर जायेगी, संदेश देंगी तथा सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन करेंगी। सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़े के दौरान सभी ब्लॉकों पर आशा कार्यकत्रियों की बैठक के दौरान उन्हें कुपोषण व दस्त नियंत्रण में माँ के दूध की विशिष्टता के बारे में भी अवगत कराया जाये। यह बैठकें माँ कार्यक्रम के अन्तर्गत भी करायी जा सकती है।
  - समस्त स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी प्रति दिन कम से कम 1–2 ग्राम सभा में आंगनबाड़ी एवं आशाओं के साथ मिल कर गोष्ठी आयोजित कर समुदाय में स्तनपान को बढावा देने के लिये व्यापक प्रचार प्रसार करें। यह गतिविधि भी माँ कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित की जा रही है।
  - आई0सी0डी0एस0 विभाग से समन्वय कर माह अगस्त 2018 के दौरान 5 (बचपन दिवस) व 15 तारीख (ममता दिवस) पर ऑगनबाड़ी केन्द्र पर आयोजित बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करें। इस दौरान पोषाहार का प्रयोग करते हुये पौष्टिक आहार बनाने पर भी बल दिया जाये।

04– स्तनपान सप्ताह में चर्चा के मुख्य बिन्दु

1. माँ के दूध में शिशु की आवश्यकतानुसार पानी होता है। छः माह तक ऊपर से पानी से पानी देने की कोई आवश्कता नही है।
2. धात्री मांताओं को प्रसव के बाद सफल स्तनपान के सम्बन्ध में बताया जाये तथा यदि किसी कारणवश बच्चे को माँ से दूर रहना पडे तो भी स्तनपान की निरन्तरता बनाये रखने के बारे में बताया जायें।
3. स्तनपान बच्चों को बुद्धिमान बनाता है इसकी चर्चा की जाये कि मां के पास जितना नवजात रहेगा नवजात में उतनी भावनात्मक वृद्धि होती है, सुरक्षा का आभास रहता है, तथा मां के दूध से कुपोषण का शिकार नही हो पाता है बच्चा स्वस्थ्य एवं बुद्धिमान होता है।
4. नवजात शिशु को केवल मां का ही दूध दिया जाये, ऊपर से कुछ भी न दिया जाये जब तक कि चिकित्सक द्वारा न बताया गया हो।
5. नवजात शिशु की मांग के अनुसार स्तनपान कराया जाय यानि जिती बार शिशु चाहे उसे उतनी बार स्मनपान करायें।
6. बच्चे को चुसनी, निप्पल अथवा सूदर (चबाने के लिये मुलायम खिलौने) आदि न दिये जायें।

- जुलाई –अगस्त के दौरान यदि किसी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा/आपातकाल की स्थिति है तो स्वयं सेवी संगठन को चिन्हित करते हुये उन्हे इस व्यवहार का प्रचार–प्रसार करने के लिये तैयार रहने के लिये समुदाय को प्रेरित किया जाये। जो स्थान बाढ़ ग्रस्त हैं वहां विशेषकर आशाओं के माध्यम से नवजात शिशुओं को स्तनपान कराये जाने पर ज़ोर दिया जाता रहे।

05– सुलभ संदर्भ हेतु निम्न लिखित स्लोगन नीचे दिये जा रहे हैं–

1) माँ का दूध है जीवनदायी, नन्हा इससे स्वस्थ्य रहेगा।
   शिशु के जीवन का रक्षक, यही हमारा लक्ष्य रहेगा।।
2) स्तनपान सदा सर्वोत्तम, बच्चों के जीवन का रक्षक।
   जीत तभी होगी स्वास्थ्य की इसे बढ़ावा देगें जबतक।।
3) स्तनपान बड़ा सुखदायी, नैनिहाल का यह मीत।
   इसे बढ़ावा देना ही है, जीवन के लक्ष्यों की जीत।।

06— उपर्युक्त के दृष्टिगत निम्न लिखित संचार माध्यम का अधिक से अधिक उपयोग किया जाये।

- सेहत संदेश वाहिनी
- आकाशवाणी
- दूरदर्शन
- प्रेस कॉन्फ्रैन्स
- अन्तर्वैयक्तिक संचार (Inter-Personal Communication)

उपर्युक्त के क्रम में आपको निर्देशित किया जाता है कि विश्व स्तनपान सप्ताह के मध्य समाज में जागरुकता लाने के लिए उपरोक्त गतिविधियों का आयोजन कराना सुनिश्चित करें।

07— वित्त पोषण —

वर्ष 2018—19 के लिये "विश्व स्तनपान सप्ताह 01—07 अगस्त 2018" दौरान जनपदीय एवं ब्लाक स्तरीय वर्कशाप एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों हेतु FMR Code-B.10.3.2.1 पर **रू0 30,000/— प्रति** जनपद की दर से एवं जनपद में आई0ई0सी0 एवं मास मीडिया गतिविधियों हेतु **रू0 10,000/— प्रति** जनपद की दर से धनराशि समस्त जनपदों की जिला स्वास्थ्य समितियों को जिला कार्ययोजना (डैप) के अनुसार आंवटित जा रही है।

Breastfeeding Week (01-07 August 2018)									
S. N.	District	District & Block level workshop @Rs. 30000	Mass Media Worksho @Rs. 10000	Total funds Released to DHS	S. N.	District	District & Block level workshop @Rs. 30000	Mass Media Workshop @Rs. 10000	Total funds Released to DHS
		FMR Code- 11.5.4					FMR Code- 11.5.4		
1	Agra	30000	10000	40000	38	Jalaun	30000	10000	40000
2	Aligarh	30000	10000	40000	39	Jaunpur	30000	10000	40000
3	Allahabad	30000	10000	40000	40	Jhansi	30000	10000	40000
4	Ambedkar Nagar	30000	10000	40000	41	Kannauj	30000	10000	40000
5	Amethi	30000	10000	40000	42	Kanpur Dehat	30000	10000	40000
6	Amroha	30000	10000	40000	43	Kanpur Nagar	30000	10000	40000
7	Auraiya	30000	10000	40000	44	Kasganj	30000	10000	40000
8	Azamgarh	30000	10000	40000	45	Kaushambi	30000	10000	40000
9	Baghpat	30000	10000	40000	46	Kushi Nagar	30000	10000	40000
10	Bahraich	30000	10000	40000	47	Lakhimpur Kheri	30000	10000	40000
11	Ballia	30000	10000	40000	48	Lalitpur	30000	10000	40000
12	Balrampur	30000	10000	40000	49	Lucknow	30000	10000	40000
13	Banda	30000	10000	40000	50	Maharajganj	30000	10000	40000
14	Barabanki	30000	10000	40000	51	Mahoba	30000	10000	40000
15	Bareilly	30000	10000	40000	52	Mainpuri	30000	10000	40000
16	Basti	30000	10000	40000	53	Mathura	30000	10000	40000
17	Bijnor	30000	10000	40000	54	Mau	30000	10000	40000
18	Budaun	30000	10000	40000	55	Meerut	30000	10000	40000
19	Bulandshahar	30000	10000	40000	56	Mirzapur	30000	10000	40000
20	Chandauli	30000	10000	40000	57	Moradabad	30000	10000	40000
21	Chitrakoot	30000	10000	40000	58	Muzaffar Nagar	30000	10000	40000
22	Deoria	30000	10000	40000	59	Pilibhit	30000	10000	40000
23	Etah	30000	10000	40000	60	Pratapgarh	30000	10000	40000
24	Etawah	30000	10000	40000	61	Raebareli	30000	10000	40000
25	Faizabad	30000	10000	40000	62	Rampur	30000	10000	40000
26	Farukkhabad	30000	10000	40000	63	Saharanpur	30000	10000	40000
27	Fatehpur	30000	10000	40000	64	Sambhal	30000	10000	40000
28	Firozabad	30000	10000	40000	65	Sant Kabir Nagar	30000	10000	40000
29	G.B. Nagar	30000	10000	40000	66	Sant Ravidas Nagar	30000	10000	40000
30	Ghaziabad	30000	10000	40000	67	Shahjahanpur	30000	10000	40000
31	Ghazipur	30000	10000	40000	68	Shamali	30000	10000	40000
32	Gonda	30000	10000	40000	69	Shravasti	30000	10000	40000
33	Gorakhpur	30000	10000	40000	70	Siddharth Nagar	30000	10000	40000
34	Hamirpur	30000	10000	40000	71	Sitapur	30000	10000	40000
35	Hapur	30000	10000	40000	72	Sonbhadra	30000	10000	40000
36	Hardoi	30000	10000	40000	73	Sultanpur	30000	10000	40000
37	Hathras	30000	10000	40000	74	Unnao	30000	10000	40000
					75	Varanasi	30000	10000	40000

आंवटित की जा रही धनराशि का व्यय वित्तीय नियमों का पालन करते हुये नियमानुसार किया जाये।

08– अनुश्रवण एवं मूल्यांकन –

मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अपने कार्यक्रम के अनुसार जनपदों में आयोजित विशेष बैठकों में भ्रमण कर मार्गदर्शन दें तथा बैठकों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित आशाओं की बैठकों में इस सप्ताह एव माह के दौरान आशाओं को प्रशिक्षित करें तथा कार्यक्रम में गति लाने के प्रयास करें। कार्यक्रम के एक सप्ताह के उपरान्त अपनी रिपोर्ट संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश के ई–मेल jdrchup@gmail.com एवं महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के ई–मेल gmchildhealthnrhm@gmail.com पर साफ्ट एवं स्कैन कॉपी मुख्य चिकित्सा अधिकारी/नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर सहित उपलब्ध करायें।

आपको निर्देशित किया जाता है कि विश्व स्तनपान सप्ताह **01–07 अगस्त 2018** मानये जाने हेतु वर्ष 2018–19 में जिला कार्ययोजना (डैप) के अनुसार आंवटित की जा रही धनराशि के सापेक्ष नियमानुसार व्यय विवरण जिला लेखा प्रबन्धक के माध्यम से वित्त अनुभाग राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0, को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– उपरोक्तानुसार

भवदीय,

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0/CH/IYCF/18–14/2017–18/ 4124-75(16) **दिनांक /07/2018**

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन।
2. प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास, उत्तर प्रदेश शासन।
3. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
4. महानिदेशक, परिवार कल्याण, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
5. महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा, जवाहर भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
6. महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन, इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
7. निदेशक, आई0सी0डी0एस0, इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
8. अधिशासी निदेशक, उ0प्र0 तकनीकी सहयोग इकाई (UP-TSU) लखनऊ उ0प्र0।
9. समस्त ज़िलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, उत्तर प्रदेश।
10. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश ।
11. विभागाध्यक्ष, बालरोग विभाग, किगंजार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, **लखनऊ**/जे0एन0 मेडिकल कॉलेज **अलीगढ**/एम0एल0एन0 मेडिकल कॉलेज **इलाहाबाद**/एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज **मेरठ**/ एस0एन0, मेडिकल कॉलेज **आगरा**/जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कॉलेज **कानपुर**/बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज **गोरखपुर**/आर0 एल0बी0, मेडिकल कॉलेज **झाँसी** एवं उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, **सैफई, इटावा।**
12. संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0, परिवार कल्याण महानिदेशालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
13. समस्त प्रमुख/मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला/संयुक्त चिकित्सालय उत्तर प्रदेश।
14. समस्त मण्डलीय एवं जनपदीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
15. न्यूट्रीशन स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ, बी–3/258, विशाल खन्ड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
16. राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक, न्यूट्रीशन इंटरनेशनल (एन0आई0), सेव दा चिल्ड्रेन, लखनऊ, उ0प्र0।

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक